दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 101
मुरादाबाद
31July 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

127 साल बाद भारत लौटीं भगवान बुद्ध की पवित्र अस्थियां, PM मोदी बोले- हर भारतीय के लिए गर्व की बात

भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल बाद भारत लौट आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया। अस्थियां 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में मिली थीं, लेकिन ब्रिटिश काल में विदेश भेज दी गईं। इस साल एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में सामने आने पर भारत सरकार ने उन्हें वापस लाने में सफलता पाई।

भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल के बाद भारत वापस लोट आई है। इस बात की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दी। उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

अपने सोशल मीडिया एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा कि हर भारतीय को गर्व होगा कि भगवान बुद्ध की पवित्र पिपरहवा अस्थियां 127 साल बाद फिर भारत लौट आई हैं। ये अस्थियां भारत और भगवान बुद्ध के बीच गहरे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों को दर्शाती हैं। यह हमारी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।क्या हैं पिपरहवा अस्थियां बता दें कि पिपरहवा, उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है,

जहां 1898 में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध की अस्थियां प्राप्त हुई थीं। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और ये अस्थियां विदेश ले जाई गई थीं। प्रधानमंत्री ने बताया कि ये पवित्र अस्थियां इस साल की शुरुआत में एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में सामने आईं, तब भारत सरकार ने तत्काल प्रयास करते हुए उन्हें वापस भारत लाने में सफलता पाई।पीएम मोदी ने सभी प्रयासकर्ताओं का आभार जताया प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक विरासत को वापस लाने के लिए सभी संबंधित लोगों और संस्थाओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास न सिर्फ सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का उदाहरण है, बल्कि यह भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रति भारत की श्रद्धा को भी दर्शाता है। यह कदम उस समय और भी खास माना जा रहा है जब दुनियाभर में बौद्ध विरासत और भारत के ऐतिहासिक योगदान को लेकर जागरूकता बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

आशा-ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत, तेजस्वी बोले- सरकार का डर देख अच्छा लगता है

मुफ्त बिजली, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के बाद अब आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर क्रेडिट पॉलिटिक्स शुरू हो चुकी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश सरकार को हमारी इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा। बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने पर सियासत शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पर भी अपना क्रेडिट ले लिया और कहा कि मैंने 17 महीने स्वास्थ्य मंत्री रहते आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू दी थी जो अंतिम स्टेज में थी लेकिन तब तक सरकार और मुख्यमंत्री आदतन पलटी मार गए। ये निकम्मी एनडीए सरकार उस पर भी दो साल से कुंडली मार कर बैठी रही। अब आखिरकार इन्हें आशा एवं ममता कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की हमारी इस मांग के सामने भी झुकना ही पड़ा। तेजस्वी यादव ने कहा कि यहां सरकार ने चालाकी करते हुए हमारी इस मांग को पूर्णरूपेण लागू नहीं किया। इनको प्रोत्साहन राशि नहीं बल्कि मानदेय मिलना चाहिए। हम इन्हें मानदेय देंगे। अब इस सरकार को आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका और रसोइयां के मानदेय में भी बढ़ोतरी करने की हमारी मांग को भी मजबूरन मानना ही पड़ेगा। मरकज़ और पंचायती राज जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाया था।

सीएम बोले- 2017 के पहले चीन के माल से पटा पड़ा था यूपी का बाजार, अब ओडीओपी के उत्पाद ज्यादा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ कर दिया है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को उद्यम से जोड़ना है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी का बाजार त्योहारों पर चीन के सामान से पटा हुआ था। आज चीन के उत्पाद से ज्यादा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) का उप्पाद बिक रहा है। 2017 के पहले भी प्रदेश में ओडीओपी बड़े पैमाने पर थे लेकिन तब उस समय की सरकारें नहीं समझ पाईं क्योंकि उनके लिए परिवारवाद ही सर्वोपरि था। वो लोग लगातार प्रदेश के एमएसएमई उद्योगों को बंद करने की साजिश का हिस्सा बन गए थे पर अब सरकार युवाओं को उद्यमी बनने के लिए मदद कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में कही।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अब युवाओं के लिए जॉब लेने नहीं बल्कि देने का माध्यम बन गई है। सक्सेस स्टोरी सुनकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। एक ऐसी स्कीम जिसका ब्याज और गारंटी सरकार दे रही है। दस फीसदी मार्जिन मनी का लाभ भी सरकार दे रही है। इसी का परिणाम है कि 2751 करोड़ रुपए 68000 युवाओं को दिए गए। ये यूपी का पोटेंशियल है। ऐसे लाखों युवा यूपी में हैं, जो अलग अलग सेक्टर में काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि विश्विद्यालय टापू जैसा बन गए। उन्हें स्टेट और सेंट्रल की योजनाओ की जानकारी नहीं होती। वहां से निकला युवा चौराहे पर खड़ा होकर असमंजस में होता है फिर बिना जानकारी के लोन लेता है लेकिन ज्ञान न होने के कारण कर्ज के बोझ तले दब जाता है जिनके पास ज्ञान होता है, उनके पास पैसा नहीं होता। ऐसी सभी समस्याओं का समाधान सीएम युवा योजना है। विश्विद्यालय के साथ एमओयू इसीलिए किए गए हैं कि वहां पढ़ रहे बच्चों को राज्य और केंद्र योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके पहले सीएम योगी ने युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो 2025 का शुभारंभ किया है। यह दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम युवा उद्यमी अभियान रोजगार को युवाओं से जोड़ने की परिकल्पना है । इसे एक साल पहले लॉन्च किया गया था जिसके इतने जबरदस्त रिस्पांस की उम्मीद नहीं थी। हम आज 150 नए आईडिया दे रहे हैं।ये सक्सेसफुल बिजनेस आइडिया हैं जो पांच लाख रुपए से शुरू किए जा सकते हैं। इस अभियान के तहत युवाओं को बिजनेस आइडिया से जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय को पहली बार जोड़ा गया है जिनके 1100 छात्र आज आए हैं। जो उद्यमी बनेंगे। रूफटॉप सोलर मेंटेनेंस उद्यम की भी शुरुआत आज से की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले एक साल में 10 लाख इंटरप्रेन्योर को पैदा करना है। आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि इस कॉन्क्लेव को वन स्टॉप बिजनेस प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जहां आइडिया से लेकर उद्यम शुरू करने तक की पूरी यात्रा को सरल बनाया गया है।

अगर पीएम मोदी ट्रंप को झूठा कहें तो पूरी सच्चाई सामने आ जाएगी, राहुल का आरोप;प्रियंका ने भी घेरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव खत्म करने के दावों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने कहा कि मोदी साफ नहीं कह रहे कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि वे खुद बोल नहीं पा रहे। वहीं प्रियंका ने कहा कि मोदी और जयशंकर के बयान गोलमोल हैं और उन्हें साफ कहना चाहिए कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं।भारत और पाकिस्तान के हालिया तनाव को खत्म करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगातार किए गए दावों से भारत में सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में एक बार फिर इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि वे खुद बोल नहीं पा रहे हैं।राहुल गांधी ने साधा निशाना राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी बोलेंगे तो ट्रंप सच सामने ला देंगे, इसलिए मोदी चुप हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी व्यापार डील के लिए पीएम मोदी पर दबाव बना रहे हैं और देखना होगा यह डील कैसी बनती है।प्रियंका गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पीएम मोदी पर ट्रंप के दावों को लेकर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान गोलमोल हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सुझाव दिया कि उन्हें साफ-साफ कहना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति झूठ बोल रहे हैं। देखा जाए तो संसद में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चल रहे बहस के दौरान कांग्रेस नेताओं की यह आलोचना मोदी सरकार की अमेरिका के प्रति नरम रुख पर सवाल उठाती है। ननों की गिरफ्तारी पर प्रियंका गांधी का विरोध- वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को छत्तीसगढ़ में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार का आरोप लगाया। साथ ही संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन भी किया। केरल से कांग्रेस और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर प्रियंका गांधी ने संसद भवन के मकर द्वार के पास प्रदर्शन किया और गिरफ्तार ननों की रिहाई की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और आरएसपी सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन भी शामिल रहे। बता दें कि 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन से नन प्रीति मेरी, वंदना फ्रांसिस और सुकामन मंडावी को गिरफ्तार किया गया। बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ये नन नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन करवा रही थीं और उन्हें मानव तस्करी के तहत ले जा रही थीं।प्रियंका गांधी ने क्या कहा? इस दौरान प्रियंका गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केरल की कुछ ननों के साथ बहुत बुरा व्यवहार हुआ। उन्हें झूठे आरोपों में फंसाया गया, उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और फिर पुलिस उन्हें जबरन ले गई। हम अल्पसंख्यकों पर हो रहे इस तरह के अत्याचारों का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ये महिलाएं हैं, इनके साथ ऐसे व्यवहार की इजाजत नहीं दी जा सकती। आप किसी को बिना सबूत ऐसे आरोप नहीं लगा सकते। साथ ही सरकार पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार सिर्फ प्रचार और चुनाव के समय की छवि पर काम करती है। असली मुद्दों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। हमें उम्मीद नहीं है कि वे कुछ करेंगे, लेकिन हमारा काम है उन पर दबाव बनाना।

मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें.., ट्रंप के दावों पर जयशंकर ने दिया जवाब

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर पर राज्यसभा में वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के संघर्ष विराम के दावे, चीन-पाकिस्तान गठजोड़ और सिंधु जल समझौता आदि पर खुलकर जवाब दिए। ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष के सवालों के जवाब दिए। अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने साफ कहा कि संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून 2025 के दौरान कोई बातचीत नहीं हुई। ट्रंप के संघर्ष विराम के दावों पर जयशंकर ने दिया ये जवाब राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और हंगामा किया। इस पर जयशंकर ने विपक्षी सांसदों से कहा कि %मैं उनको कहना चाहता हूं, वे कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच एक बार भी फोन पर बात नहीं हुई।% जयशंकर ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय नीति है कि कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए। पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से संघर्ष विराम का अनुरोध किया गया था।जयशंकर ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो कई देश यह जानना चाहते थे कि स्थिति कितनी गंभीर है और ये हालात कब तक चलेंगे, लेकिन हमने सभी को एक ही संदेश दिया कि हम किसी भी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं हैं। हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय तौर पर ही होगा। इसका अनुरोध करना होगा और यह अनुरोध केवल डीजीएमओ के माध्यम से ही आ सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और सिंधु जल समझौता, मुंबई आतंकी हमला और चीन-पाकिस्तान गठजोड़ पर विपक्षी पार्टी की तीखी आलोचना की। सिंधु जल समझौता स्थगित करने के सरकार के फैसले पर बोलते हुए विदेश मंत्री ने काह कि सिंधु जल संधि कई मायनों में एक अनोखा समझौता है। मैं दुनिया में ऐसे किसी भी समझौते के बारे में नहीं जानता, जहां किसी देश ने अपनी प्रमुख नदी के पानी को दूसरे देश में बहने दिया। जयशंकर ने इसके लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार ने अपने देश के हितों की अनदेखी कर पड़ोसी देश के हितों का ध्यान रखा था।

संपादकीय Editorial

Three daughters, one concern

From credit to shelter, Himachal has three daughters - three concerns and society is with all three. The Mandi disaster made 10-month-old Nitika a doll of social address, while the polyandry of Sirmaur made Sunita a tribal address. Meanwhile, Kritika of Sundarnagar showed by doing a 750 km long Kanwar Yatra that if a woman wants, then the steps of society can reach every destination of pride. Here, society becomes like a mother's lap, when after the tragedy, it is ready to adopt a 10-month-old girl as a daughter. The dreadful form of that night snatched Nitika's parents, but this girl, safe amidst the rays of life in extraordinary circumstances, is now the most loved and desired daughter in the courtyard of Himachali society. More than two hundred people of the state have expressed their desire to make Nitika their daughter and embrace her in their lap, while many have offered to make arrangements for her upbringing. It is worth mentioning here that Sunil of Bandal village of the same district of Sirmaur, where the daughter chose two grooms, has decided to give a thousand rupees every month to Nitika till she turns 18. Himachali society is proving that a daughter is a daughter in any environment, but this shield is shattered in front of many questions in a controversial marriage. What is the real wealth of the world? What is a woman in the foundation of the house? We can say that Sunita created a revolution by choosing two husbands, but then we will definitely defame many daughters. Is it so easy to adopt two husbands in the moral education of Himachal that we consider ourselves tribal and adopt a double-faced character? Giripar area of Sirmaur may be declared tribal due to the marriage of a daughter with two men, but by playing with the existence of women, the self-confidence of the society will definitely be eroded by selfishness. The question is also that Himachali culture is being auctioned by spreading the carpet of tribal character. Considering her as tribal, should Himachal fill itself with such nails that keep hurting the respect for women from time to time. Obviously, somewhere within Sunita of Sirmaur, there is ten-month-old Nitika and Kritika who became a Kanwar Yatra. If we see her in the courtyard of the society, we will see her as the daughter of all of us and a self-reliant woman, but the story of two husbands drowns the entire society in a cultural disaster. In such a situation, the wholeness of Himachal and the concerns of the state have been embarrassed by the famous marriage of Sirmaur. There, there is a disaster in the lap of the society. There, women are still isolated in the joy of festivals. On the other hand, a vision of Himachal makes Kritika the lake of Kanwar Yatra. Her arms, her shoulders and her destinations not only prove the dignity, self-respect, social role and participation of the Himachali woman, but she becomes better, independent and prestigious far ahead of the male society. If we want to purify the state with the Ganga water brought by Kritika, then first of all we need the lap of Ganga for Sunita. With the same intensity with which Kritika walked seven hundred and fifty kilometers, Himachal would want that every daughter walks miles in life and reaches space. Will the two husbands who came as Sunita's personal property become the face of education of daughters in Himachal. Will all the schools and colleges of Sirmaur be able to teach the lesson that every daughter of the district should be ready to choose such husbands in the revolution of marriage. At least the society should think that our constitution gives the biggest assurance, security and freedom to an orphan daughter. This Nari Shakti is appearing in the form of Kritika who has become a Kanwar Yatra Yatra. Will the drums of Sunita's wedding wake us up from our sleep.

Rajasthan School Collapse: Isn't the Piplodi accident also a 'murder'...?

The real question is that how do government school buildings become dilapidated so quickly? Why are they not repaired in time? Why are school buildings not audited every two-three years? Is it because mostly children from poor families study in government schools? The first lesson of the heart-wrenching incident of the sudden collapse of the roof of a government school building in Piplodi village of Jhalawar district of Rajasthan, resulting in the death of 7 children sitting under it while learning the basics of knowledge, is that now, along with studies, teachers and other facilities in any school, you should also check whether the school building is strong or not. Will the small lamp of the light of education not get crushed under it and extinguish? Because you never know when the roof under which your children are drawing innocent lines of future dreams, may betray you. Apart from natural or other reasons, this is such an accident for which the government, system and society are completely responsible. Deliberate negligence and insensitivity are responsible. This Piplodi incident has shaken the entire country. Because in this country, parents were still struggling with the worries of their children reaching school safely, protecting their dignity inside the school, studying properly and shaping the future of the children. Now the school building has also been included in this, which not only children but even adults have been feeling inner peace by considering it as a safe roof. Incident like Piplodi also happened in Jose city of Nigeria. Unfortunately, a year before the Piplodi incident, a similar big accident had also happened in Jose city of African country Nigeria. In which 22 children giving exam inside a school building suddenly collapsed and lost their lives before they could complete their answers. Michael Onovo, the father who lost his teenage son and daughter in that accident, had said- 'This is not an accident, it is murder.' It is said that according to unconfirmed information, about 50 children died in this incident, which is perhaps the biggest and most frightening number of innocent children dying in a running school. The only difference is that the building in Nigeria belonged to a private school and the children who died were giving exams at the time of the accident, while the dilapidated building of the Piplodi school was a government building and the children were learning their lessons as usual. There is one similarity between the two and that is - poor construction of the school building and negligence in maintenance. In the case of Nigeria, the administration there called it an 'inevitable incident', while in the Piplodi case, the school and the district administration are trying to wash their hands off the matter. The meaning is that whatever happened was 'God's will'. What can anyone do about it? This negative thinking is proof of how insensitively the government and the administration work. They hardly care that like Michael Onovo of Nigeria, Chhotelal in Piplodi has also lost both his children. All the dreams of the mother of those children have turned to ashes in the rubble of the school building. Why are government buildings not repaired in time? Meanwhile, the central government, concerned by this incident, has advised all states to audit their government school buildings. The Rajasthan government has also given instructions not to teach children in dilapidated school buildings for the time being. The state's Chief Minister Bhajanlal Sharma has ordered a high-level inquiry into the incident. The education minister there, Madan Dilawar, has taken moral responsibility for the accident, but has refused to resign. But the real question is, how do government school buildings become dilapidated so quickly? Why are they not repaired in time? Why are school buildings not audited every two-three years? Is it because children from poor families mostly study in government schools? Is it because we are more interested in usurping the construction money for education rather than making it a strong temple? And is education not a matter of our faith? If the Ram temple can be built keeping in mind its age of thousand years, then the Shiksha Mandir can be built for at least hundred years. In the case of Piplodi school also, it is coming to light that the villagers and teachers had also complained to the administration about the dilapidated condition of the building, but no one thought it necessary to take it seriously. Perhaps they were waiting to pick up the dead bodies of seven innocent children. The condition of government schools in Madhya Pradesh is also bad - Here it is not just Rajasthan, where out of a total of 9 lakh 13 thousand 50 schools, the buildings of 2 thousand schools are in dilapidated condition, rather this is the condition of most of the states including Madhya Pradesh. In MP, 211 schools do not have any building. There is no teacher in 1275 schools and there is only one teacher in more than 12 thousand schools. The state government admitted in an official reply that the condition of 5600 school buildings in MP is dilapidated. In many schools, water is dripping from the roof in the rain, so the plaster of the school peeling off and the wall falling is not an unusual thing. Recently, in the state capital Bhopal, a girl student was injured when the plaster of the ceiling fell on a PM Shri school. 67 thousand schools do not have furniture and 15 thousand schools do not even have electricity. 2,787 schools do not have toilets for girls. Even 3116 schools do not have toilets for boys. Former Chief Minister of the state and Congress leader Kamal Nath had recently alleged that 70 thousand posts of teachers are vacant in MP and 15 thousand teachers are engaged in non-educational work. However, the MP government has now started a campaign to recruit teachers in schools, under which 13 thousand school teachers are recruited. A provision has to be made. But this is also insufficient. It is not clear how much budget is there for the maintenance of school buildings. Important role of government schools across the country - This is the situation of government schools in almost all the states of the country. According to the available information, there are currently a total of 10 lakh 22 thousand 386 government schools in the country. This is 68.7 percent of the total number of schools across India. This means that government schools still play an important role in school education in the country. 54 percent of the total school children study in these schools and government schools employ 51.4 percent of the total teachers. Uttar Pradesh has the highest number of government schools in the country, i.e. more than 16 lakh. After that comes Rajasthan and Madhya Pradesh. However, UP has the best student-teacher ratio in the country. Where is the education budget going after all? It is not that the governments are not giving budget for education or are not increasing it. However, this budget is still less than the 6 percent of the total GDP proposed by the Niti Aayog, which should be so. In the budget for the year 2024-25, the Modi government had made a provision of Rs 1.20 lakh crore for education. Not only in the Center but also in most of the states, the budget for education is increasing, but where is it going, that is the big question. Most of the approved budget is being spent on those select schools, which the government considers 'VIP'. Government schools in remote areas are at the mercy of God. Whereas education and its right is and should be equal for everyone. In this, discrimination between village and city is also unacceptable. As usual, political allegations and counter-allegations have started in the Piplodi accident. Was the roof built during your rule or our rule, this foolish debate is only to deceive the public. Whereas, education and that too school education should not be a subject of politics. Because education is an undertaking to make the new generation of the country well-educated and capable human beings. In fact, considering school education as second-rate and looking at it with contempt is also a great sin in itself from the point of view of social and human development. The Piplodi incident is also a 'murder' in this sense. It cannot be ignored just because your child was not among the flowers studying there who withered prematurely due to the collapse of the school roof.

Karnataka government will conduct caste census again to maintain political balance!

To cover up the earlier report and maintain power balance, Siddaramaiah government has decided to conduct caste census again. This exercise will run from 22 September to 7 October. 1.60 lakh government employees will be engaged in this work for the seven crore population of the state. Its report will come during the first week of November. Caste census was conducted in Karnataka ten years ago in the year 2015. But it took a long time and its results were not as per the expectations of the ruling party. For this reason, its report was presented to the government last year after a long time. But after some parts of the report were leaked early this year, the political and social balance in the state started getting disturbed. To cover up the earlier report and maintain power balance, Siddaramaiah government has decided to conduct caste census again. This exercise will run from 22 September to 7 October. 1.60 lakh government employees will be engaged in this work for the seven crore population of the state. Its report will come during the first week of November. Earlier, the census report conducted in the year 2015 during the first tenure of Siddaramaiah was prepared under the leadership of H.K. Kantraj, the chairman of the Backward Commission. But after that it remained in cold storage. After Siddaramaiah came to power for the second time, a committee headed by the then chairman of the commission K. Jayaprakash Hegde revised that report and submitted it to the government in April last year. But that report was surrounded by controversies from the very beginning. But why did the government decide to start this exercise afresh despite the earlier report? Chief Minister Siddaramaiah argues that the main purpose of the latest exercise is to remove discrimination and inequality against different castes. The next budget of the state will also be prepared on the basis of this census report. After the meeting, the Chief Minister said that the main objective of the survey is to remove discrimination against castes. He also said that this survey should be an example for the whole country. The next budget will be prepared on the basis of this survey. But the reality behind the scenes is something else. It is generally believed that the population of Lingayat and Vokkaliga community is more in the state and both of them are in a decisive position in politics. But in the first report, the population of these communities was reported to be less. Therefore, the MLAs of these communities rebelled against the report. Apart from these two, there was a lot of resentment from this report in the Brahmin community. For this, it is necessary to first understand the political equations and the participation of both the sections i.e. Lingayat and Vokkaliga in it. There are currently 99 MLAs from Lingayat and Vokkaliga community in the 224-member assembly of the state. Out of these, the ruling party i.e. Congress has 34 (Lingayat) and 23 (Vokkaliga) i.e. 58 MLAs respectively. Congress has a total of 138 MLAs in the assembly. In such a situation, the resentment of these MLAs can prove to be heavy for the government. In the previous report, the Vokkaliga community came at number four in the state. The current Deputy Chief Minister D.K. Shivakumar, who is considered a contender for the post of Chief Minister, belongs to this community. In that report, 51 percent reservation was recommended for other backward castes as they comprise 70 percent of Karnataka's total population. Apart from this, the population of Vokkaliga and Lingayat communities was stated.

कारोबारी सुसाइड...परिजनों से डिप्टी सीएम ने की मुलाकात, दोषियों पर कार्रवाई का दिया भरोसा

मुरादाबाद- जिले में उस समय राजनीतिक हलचल तेज हो गई, जब कुंदनपुर निवासी आढ़ती चेतन सैनी ने दुकान ध्वस्त होने से आहत होकर आत्महत्या कर ली। निर्धारित कार्यक्रम छोड़कर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सीधे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक बुधवार को मुरादाबाद दौरे पर पहुंचे।

यहां उन्हें जिला अस्पताल का निरीक्षण करना था और एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम में भी शामिल होना था, लेकिन मझोला थाना क्षेत्र के कुंदनपुर निवासी आढ़ती चेतन सैनी की आत्महत्या की खबर मिलते ही उन्होंने अपना पूरा कार्यक्रम स्थगित कर दिया। उपमुख्यमंत्री सीधे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। आढ़ती चेतन सैनी की मंडी समिति में दुकान थी। प्रशासन ने मंगलवार को अभियान चलाकर उनकी दुकान ध्वस्त करा दी थी। कथित तौर पर इससे दुखी होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली। बुधवार को इस घटना की जानकारी उपमुख्यमंत्री को हुई तो वे तुरंत जिला अस्पताल से निकलकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। पोस्टमार्टम हाउस पर बृजेश पाठक ने मृतक के परिजनों से बातचीत की और पूरी घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और हर संभव मदद दी जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मामले की पूरी जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चेतन सैनी की आत्महत्या से व्यापारियों में आक्रोश है और प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

दुकान पर बुलडोजर चलने से परेशान फल कारोबारी ने छत से कूदकर दी जान

मुरादाबाद- मंडी समति परिसर में दो दिन से बुलडोजर की कार्रवाई चल रही थी। अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई दुकानों को जमींदोज कर दिया गया। अब कथित रूप से अभियान की चपेट में दुकान आने आहत कारोबारी ने आत्महत्या कर ली। कारोबारी भाजपा नेता भी बताया जा रहा है। दरअसल भाजपा मंडल उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह के बड़े भाई चेतन सैनी ने अपने घर की छत से छलांग लगा दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। अब चर्चा ये है कि चेतन सैनी मंडी समिति में हुई बुलडोजर की कार्रवाई से काफी परेशान थे। मंडी में चेतन सैनी और उनकी भाई व भाजपा नेता गजेंद्र सिंह फलों का कारोबार का कारोबार करते थे। उनकी मंडी में करीब 20 साल पुरानी दुकान थी। प्रशासन ने मंगलवार को कार्रवाई की थी, जिसकी जद में उनकी दुकान भी आई थी। चेतन सैनी दुकान पर हुई कार्रवाई से इतना परेशान हुए कि घर जाकर छत से छलांग लगा दी। व्यापारी की मौत की सूचना मिलने के बाद तमाम भाजपा नेता और अफसर उनके घर पहुंचे। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद से व्यापारियों में आक्रोश फैला हुआ है। दरअसल सोमवार को मंडी सचिव संजीव कुमार के कार्यालय कक्ष में घुसकर 20-25 अराजक तत्वों, जिसमें एक व्यक्ति खुद को विधायक बता रहा था ने मंडी सचिव के साथ मारपीट कर कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की थी। कार्यालय में अराजक तत्वों ने कानून का माखौल उड़ाया था। मंडी सचिव ने जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बताया था कि उनके साथ मारपीट करने वालों से एक व्यक्ति ने खुद को विधायक बता रहा था। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम सिटी, एसपी सिटी ने मंडी में जाकर जांच की थी। मंगलवार को दूसरे दिन प्रशासन ने अपने कड़े तेवर दिखाए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह व अन्य कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और कई घंटे अभियान चलाकर अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया।

फायरिंग और पथराव का वीडियो वायरल...प्लाट पर कब्जे को लेकर हुआ खूनी संघर्ष

मुरादाबाद- मझोला क्षेत्र के गागन वाली मैनाठेर में मंगलवार सुबह प्लाट पर कब्जे का विरोध करने पर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। गाली गलौज के बाद मारपीट करते हुए पथराव करना शुरू हो गया। अपनी मां के साथ बीच बचाव करने पहुंचे मदरसे के छात्र छात्र की जांघ में लगी। इसके बाद आरोपियों ने खुलेआम घंटे तक बवाल होता रहा। पुलिस के पहुंचने पर आरोपी भाग पर वायरल हो रही है। थाना मझोला क्षेत्र के गागन वाली 200-200 गज के प्लाट कुछ दिनों पहले बराबर-बराबर में पत्र में बताया कि पिछले कई माह से आरोपी बाबू, असलम के है। मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे बाबू अपने भाई जुबैर, इस बात की जानकारी जैसे ही मोहम्मद असलम को लगी तो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद गाली गलौज होने लगी। शोर और दादी सईदा के साथ पहुंच गया। तीनों दोनों पक्षों के बीच बाबू ने फैजान के सीने में लात मारकर तमंचे से गोली मार दी। रूप से घायल हो गया। इसके बाद सभी आरोपियों ने पथराव साथ फायरिंग करनी शुरू कर दी। कई राउंड फायर किए। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। जानकारी पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस को आता देख आरोपी तमंचे लहराते हुए मौके से भाग गए। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी बाबू, जुबैर, यूसुफ और राजा के खिलाफ जानलेवा हमले की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

फैजान को आरोपियों ने गोली मार दी। गोली तमंचों से सामने से फायरिंग की। लगभग आधा गए। घटनाक्रम की वीडियो इंटरनेट मीडिया मैनाठेर निवासी मोहम्मद असलम और बाबू ने लिए थे। शाहिद ने पुलिस को दिए शिकायती प्लाट पर भी कब्जा करने का प्रयास कर रहा यूसुफ और राजा के साथ प्लाट पर पहुंच गया। वह भी अपने परिजनों के संग पहुंच गए। दोनों शराबा सुनकर बेटा फैजान अपनी मां शायरा हो रहे विवाद में बीच बचाव करने लगे। तभी गोली उसकी जांघ में लगी। इससे वह गंभीर करना शुरू कर दिया। पथराव करने के साथ-

मंडी समिति में जेसीबी ने अतिक्रमण किया ध्वस्त...डीएम के निर्देश पर कार्रवाई

मुरादाबाद- मुरादाबाद- सोमवार को मंडी सचिव के कक्ष में घुसकर उनकी पिटाई करने वालों की हेकड़ी निकालने का स्पष्ट संदेश देते हुए मंगलवार को मंडी समिति में प्रशासन की जेसीबी कई घंटे गरजी। मंडी समिति में अतिक्रमण को जमींदोज करने के साथ ही प्रशासन ने साफ कर दिया कि अतिक्रमण करने वालों और इसके संरक्षकों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह जो कोई भी हो। सोमवार को मंडी सचिव संजीव कुमार के कार्यालय कक्ष में घुसकर 20-25 अराजक तत्वों, जिसमें एक व्यक्ति खुद को विधायक बता रहा था ने मंडी सचिव के साथ मारपीट कर कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की थी। कार्यालय में अराजक तत्वों ने कानून का माखौल उड़ाया था। मंडी सचिव ने जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर बताया था कि उनके साथ मारपीट करने वालों से एक व्यक्ति ने खुद को

विधायक बताया था। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम सिटी, एसपी सिटी ने मंडी में जाकर जांच की थी। सचिव का चिकित्सीय परीक्षण भी जिला अस्पताल में कराया गया था। मंगलवार को दूसरे दिन प्रशासन ने अपने कड़े तेवर दिखाए। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह व अन्य कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे और कई घंटे अभियान चलाकर अतिक्रमण को जमींदोज कर दिया। इसके माध्यम से प्रशासनिक अमले ने अतिक्रमण करने वाले और उनकी रहनुमाई करने वालों को दो टूक संदेश दिया कि प्रशासन डरने या झुकने वाला नहीं है। अतिक्रमण और अवैध निर्माण को किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। प्रशासन की कार्रवाई से मंडी में अवैध निर्माण व अतिक्रमण करने वालों के साथ ही आढ़ती सहमे रहे। अतिक्रमण टूटने के बाद सामान समेटने में लगे थे। अतिक्रमण की जद में आने वाले आढ़तियों की दुकानों के शेड आदि जेसीबी से प्रशासनिक अधिकारियों की टीम गिरा दिया। आढ़तियों के राजनीतिक गठजोड़ से मंडी समिति बनता है अखाड़ा मंडी सचिव के कक्ष में घुसकर मारपीट करने वालों में सत्ता से जुड़े विधायक के संदेह के घेरे में आने के बाद अधिकारी संभल कर कदम बढ़ा रहे हैं। मंगलवार को अतिक्रमण ध्वस्त कराने के साथ ही संदेश भी दे दिया और सीधे किसी का नाम लेने से भी अधिकारी बचते रहे। मंडी सचिव मंगलवार को अपने कार्यालय में नहीं आए। वह सोमवार को अपने साथ हुई कार्रवाई से स्तब्ध हैं और ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। सोमवार की घटना के बाद मंगलवार को भी मंडी परिसर छावनी में तब्दील रहा।

स्थानीय पुलिस के अलावा बाहर के थानों की फोर्स भी मंडी में तैनात कर दी गई है। अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। मंडी परिसर और मंडी सचिव के कार्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हर आने जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। मंडी समिति में दुकान आवंटन कराने वाले आढ़तियों का राजनीतिक गठजोड़ नया नहीं है। यह काफी अरसे से सांठगांठ कर रहते हैं। आढ़तियों ने पुराने आवंटन से बढ़कर नये निर्माण भी कराया है। जिसमें अवैध निर्माण और अतिक्रमण कर सरकारी जमीन को कब्जा किया गया है। राजनीतिक संरक्षण का लाभ लेकर आढ़ती मनमाने तरीके से कारोबार कर मंडी के नियमों को ठेंगा दिखाते हैं। मंडी की सभापति सिटी मजिस्ट्रेट के साथ मंडी की तत्कालीन सचिव महादेवी द्वारा जब कार्रवाई की गई तो नगर विधायक अपने समर्थकों के साथ खुद धरने पर बैठ गए थे। यहां तक की अधिकारियों को अंजाम भुगतने की चेतावनी भी धरने पर बैठने वालों ने दी थी। लेकिन वही हुआ कि जब वर्तमान मंडी सचिव के कार्यालय कक्ष में उनकी 25 से अधिक अराजक तत्वों ने घुसकर तोड़फोड़ करने के साथ ही मंडी सचिव के साथ मारपीट कर उनको दहशत में डाल दिया, जान माल की धमकी भी दी। इस घटना से मंडी सचिव के साथ उनके कार्यालय के कर्मचारी भी सहमे हैं। सभी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नदवी पर लगाए गंभीर आरोप

मुरादाबाद- रामपुर/ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी के नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। सपा सांसद और पार्लियामेंट की मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी पर आरोप लगाते हुए तत्काल पद मुक्त करने की मांग की है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अवगत कराया है कि पार्लियामेंट मस्जिद दिल्ली के इमाम और सपा सांसद नदवी सपा के कार्यकर्ता हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद भी हैं। पार्लियामेंट मस्जिद दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड के अंतर्गत आती है। नदवी की गतिविधियां पहले से समाजवादी पार्टी को लाभ पहुंचने वाली थीं। वह समाजवादी पार्टी का प्रचार- प्रसार मस्जिद से खुले आम करते रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने नदवी पर और भी गंभीर आरोप लगाए। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एसएम अकरम, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष आतिफ रशीद, मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. असलम एवं फहीम सैफी मौजूद रहे।

कौन सच्चा, कौन झूठा- मैं नहीं गया सचिव के पास, पर कपड़े न दे रहे...; रूल ने जिसकी पैरवी की उस पर भी कार्रवाई

मुरादाबाद- मुरादाबाद मंडी समिति सचिव संजीव कुमार से मारपीट मामले में एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें भाजपा विधायक रितेश गुप्ता अपने गार्ड और समर्थकों के साथ सचिव के कमरे में घुसते नजर आ रहे हैं। विधायक ने पहले दिए बयान में कहा था कि वह घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं थे और वायरल सीसीटीवी फुटेज पुरानी है। मुरादाबाद में मंडी समिति के सचिव संजीव कुमार के साथ दफ्तर में हुई मारपीट के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में विधायक रितेश गुप्ता अपने सुरक्षा गार्ड और अन्य लोगों के साथ सचिव के कमरे में घुसते दिखाई दे रहे हैं। इस मामले में सोमवार को विधायक ने अपने बयान में कहा था कि एक वायरल सीसीटीवी फुटेज का हवाला देकर मुझे मौके पर होना बताया जा रहा है। यह बात जानकारी में आई है। तीन माह पहले मैं मंडी में धरने पर गया था तब सचिव के कार्यालय गया था, संभवतः तब की फुटेज होगी। जब मौके पर गया ही नहीं, तब फोटो का सवाल ही नहीं बनता।16 अप्रैल 2025 को धरने में बैठे विधायक की तस्वीरें भी सामने आई हैं। तस्वीरें में विधायक ने सफेद रंग की टीशर्ट और जींस पहन रखी है जबकि वायरल वीडियो में वह सफेद रंग के कुर्ता पजामा में दिख रहे हैं। ऐसे में पहले गए कपड़े विधायक के बयान का साथ नहीं दे रहे हैं। विधायक ने जिसकी की पैरवी, उस पर भी जिला प्रशासन ने की कार्रवाई व्यापारियों ने जिला प्रशासन की इस कार्रवाई को पूरी तरह से एकतरफा बताया। कुछ दुकानदारों ने यह भी बताया कि शहर विधायक ने जिन आढ़तियों की पैरवी की थी उनके भी अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए।बारिश के बाद खराब हुईं सब्जियां जिला प्रशासन की कार्रवाई के दौरान ही बारिश होने लगी। इससे व्यापारी अपना सामान स्टोर नहीं कर सके और कई दुकानदारों की सब्जियां व फल बारिश में भीग गए। परिसर में कीचड़ फैल जाने से व्यापारी सामान को समेट नहीं सके। बोरे और क्रेट में भरी सब्जियां पानी में भीग गईं।डीएम से मिला भाजपा प्रतिनिधिमंडलमंडी समिति में हुई कार्रवाई के विरोध में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीएम अनुज सिंह से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष आकाश पाल, महापौर विनोद अग्रवाल, नगर विधायक रितेश गुप्ता, एमएलसी गोपाल अंजान, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला और हरिओम शर्मा ने डीएम से वार्ता कर इस कार्रवाई का विरोध किया। वार्ता के बाद एमएलसी गोपाल अंजान ने बताया कि मंडी के व्यापारियों के जो प्रस्ताव थे उसपर मौखिक रूप से सहमति बन गई है। जल्द ही इसका ऑर्डर भी जारी हो जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डी एम ने सभी को प्रात: 10 से 12 के बीच दो घंटे अपने कार्यालयों में जनता की समस्या का समाधान करने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली / जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने समस्त अपर जिलाधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रात: 10ः00 से 12ः00 बजे तक अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करते हुए जन समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण कराया जाये। जिला अधिकारी ने कहा कि प्रायः यह देखने में आ रहा है जनपद के साथ साथ तहसील व विकासखंड स्तर पर कार्यरत अधिकारी समय से कार्यालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं , जिस कारण जनता की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है

तथा जनता को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। समस्त अपर जिलाधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि शासन के निर्देशों के अनुपालन में सभी अधिकारी नियमित रूप से प्रात: 10ः00 बजे से प्रात:12ः00 तक अपने कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करते हुए जनता द्वारा लाई जा रही जन समस्याओं का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें, जिस की जनता को अन्य दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े । सभी को निर्देश दिए कि अपरिहार्य स्थिति को छोड़करप्रात: 10ः00 बजे से 12ः00 के मध्य दो घंटे किसी भी प्रकार की मीटिंग ना की जाए ना ही कोई अन्य कार्य किया जाए ।

राजश्री कालेज में 8वीं गर्ल्स बटालियन एन0सी0सी0 का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / रिठौरा।राजश्री इंस्ट्रीयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, में चल रहे 8वीं गर्ल्स बटालियन एनसीसी के दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संदीप वर्मा, चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एमडी रोहन बंसल ने किया । इस मौके पर कैप कमांडेंट कर्नल समीर सिंह बिष्ट और डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल नीलिमा गौर द्वारा औपचारिक स्वागत किया गया एवं एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया साथ ही गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों का जायजा लिया।

ब्रिगेडियर संदीप वर्मा ने कैडेट्स को दी जा रही ,बाधा दौड़, मानचित्र पठन, फायरिंग, टेंट पिचिंग आदि के साथ-साथ खान-पान की व्यवस्था का जायजा लिया एवं शिविर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए ब्रिगेडियर संदीप वर्मा ने कहा एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अनुशासन और लगन से जीवन का कोई भी लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है तथा समाज में अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरणा स्वरूप नैशनल कैडेट्स कोर का सर्वोच्च स्थान है।

राजश्री ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि एनसीसी कैंप के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सैन्य अनुशासन सिखाया जाता है जिससे देश की सेवा के लिए आवश्यक सैन्य जीवनशैली से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होता है। 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में बरेली, मुरादाबाद, कानपुर, गाजियाबाद, गोरखपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी-ए, वाराणसी-बी मुख्यालयो से प्रतिभाग करने आयी गर्ल्स कैडेट्स ने कठोर प्रशिक्षण चरणों को पार कर सैन्य कैंप के अभ्यास के साथ-साथ ड्रिल, फायरिंग, मानचित्रण पठन, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, बाधा दौड़, युद्ध कौशल और नेतृत्व विकास आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी मेजर निलिमा गौण, ले0 रचना सिंह, ले0 ममता शर्मा, सूबेदार मेजर शंकर लाल, राजश्री इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. डॉ. पंकज कुमार शर्मा, डीन डॉ. साकेत अग्रवाल, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पंचायत एडवांसमेंट इण्डेक्स दो का एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / बिथरी चैनपुर। पंचायत एडवांसमेंट इण्डेक्स दो के संदर्भ में एक दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को ब्लॉक सभागार में संपन्न हो गया।

प्रशिक्षण का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख ब्रजेशकुमारी प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल,एडीओ पंचायत संजय दीक्षित,खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार सिंह, थानाध्यक्ष सी0 पी0 शुक्ला ने शुभारंभ किया । प्रशिक्षण में आशा, आंगनबाड़ी, ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, सदस्यों को ट्रेनर राज्य प्रशिक्षक डिंपल गौड़ ने सतत् विकास के लक्ष्यों के स्थानीय करण पर आधारित नौ थीमों पर विस्तार से चर्चा की।मास्टर ट्रेनर वीरेश गौड़ नयी तकनीकी एवं ज़रूरी विषयों पर विस्तार से बताते हुए आनलाइन कार्यों को करने के गुर सिखाए।इस दौरान देवेन्द्र भारती, चंद्रभान सिंह, विवेक गंगवार, गजेंद्र वर्मा, संजीव कुमार, अजीत सहित तमाम स्टाफ एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

साइबर ठग ने बरेली में एसी कारोबारी के खाते से उड़ाई रकम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नामी एसी कारोबारी को वाहन चालान का झांसा देकर साइबर ठगों ने उनके मोबाइल फोन पर एपीके फाइल भेज दी। इसके बाद कारोबारी के खाते से धड़ाधड़ रुपये कटने शुरू हो गए। रात में वह मोबाइल स्विच ऑफ कर एसएसपी आवास पहुंचे तो साइबर सेल ने जांच शुरू की। आवास विकास कॉलोनी निवासी विक्रम गुप्ता का एमसीआई प्लाजा में एसी शोरूम है। विक्रम गुप्ता ने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। इसमें लिखा था कि आपके वाहन का चालान हुआ है। एसपी ट्रैफिक चालान लिखी एपीके फाइल को उन्होंने विवरण देखने के लिए खोला तो मोबाइल फोन हैंग हो गया।

सूरजपुर पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत 1 वर्ष पहले बिना बताए घर से निकले 11 वर्षीय बालक को किया दस्तयाब

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। दिनांक 01 अगस्त 2024 को विश्रामपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक व्यक्ति ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका ग्यारह वर्षीय पुत्र दिनांक 26.07.2024 के रात्रि में बिना बताये घर से कही चला गया जिसकी काफी खोजबीन करने पर भी वह नहीं मिला। सूचना पर थाना विश्रामपुर में गुम इंसान कायमी उपरान्त अपहरण की धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं के मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को गुमशुदा एवं अपहरण के मामले में हर संभव प्रयास कर नई तकनीक की मदद एवं छोटी-बड़ी सुराग हासिल कर अपहृत को दस्तयाब करने के निर्देश दिए है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना विश्रामपुर पुलिस के द्वारा अपहृत बालक की गंभीरतापूर्वक खोजबीन करने में लगी हुई थी इसी बीच जानकारी मिली कि अपहृत बालक अपने एक रिश्तेदार के यहां किसी कार्यक्रम में आया था और वहां से फौरन लौटने लगा, जाते-जाते अम्बिकापुर में रहने की बात बोल गया। पुलिस टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर अम्बिकापुर के होटल सहित अन्य व्यवसायियों को अपहृत बालक की फोटो शेयर कर जानकारी देने कहा गया। इसी बीच दिनांक 30.07.2025 को पुलिस टीम के द्वारा बालक को अम्बिकापुर से दस्तयाब किया गया। पूछताछ पर बालक ने बताया कि उसे घुमने का शौक है, घर से निकलने के बाद कुछ काम कर घुमते फिरते रहता था। दस्तयाब किए गए गुम बालक को विधिवत उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया इस दौरान बालक के 2 भाई-बहन व परिजनों के चेहरे में खुशी की लहर देखी गई और उनके द्वारा सूरजपुर पुलिस के प्रति आभार जताया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर व उनकी टीम सक्रिय रही।

नगर निगम कार्यालय आई सीसीसी में नियुक्त देवेन्द्र कुमार को एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम कार्यालय में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में तैनात देवेन्द्र कुमार को उनके उत्कृष्ट कार्य और उच्चकोटि की कार्यप्रणाली के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।आईसीसीसी, बरेली द्वारा जनपद के प्रमुख चौराहों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, राजकीय कार्यालयों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड आदि स्थानों पर लगे सुरक्षा कैमरों का संचालन और उनकी स्क्रीन पर निगरानी का कार्य किया जाता है, जो कानून व्यवस्था और सुरक्षा के दृष्टिगत अत्यंत महत्वपूर्ण है। देवेन्द्र कुमार ने तकनीकी कुशलता के साथ सभी कैमरों का सफल संचालन सुनिश्चित किया। इसके अतिरिक्त, जनपद में घटित विभिन्न घटनाओं के अनावरण में कैमरों की रिकॉर्डिंग के माध्यम से जनपदीय पुलिस को महत्वपूर्ण सहयोग भी प्रदान किया, जिससे कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय योगदान रहा।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने देवेन्द्र कुमार के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अब ड्रोन थाने में जमा कराने की कवायद , जुटाया जा रहा ब्योरा

अफवाहों से हर कोई परेशान, कई निर्दोष पिटे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर से लेकर देहात तक इन दिनों ड्रोन चोर की अफवाहों ने खलबली मचा रखी है। जहां एक ओर पुलिस बार-बार लोगों से अपील कर रही है कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें, वहीं दूसरी ओर जिन फोटो व वीडियो ग्राफरों के पास ड्रोन कैमरे हैं, उनसे उनके ड्रोन थाने में जमा कराने की बात की जा रही है। इस कार्रवाई से फोटोग्राफर और विडियोग्राफर वर्ग में भारी बेचैनी है। उनका कहना है कि यदि ड्रोन जमा करा दिए जाएंगे, तो उनका व्यवसाय ठप हो जाएगा। खासकर शादी, धार्मिक कार्यक्रम और सार्वजनिक आयोजनों में ड्रोन की जरूरत आम बात हो चुकी है।

पुलिस द्वारा अब तक जिन ड्रोन को जब्त किया गया, वह जांच में केवल खिलौना ड्रोन निकले हैं। इसके बावजूद अफवाहों का दौर थमता नहीं दिख रहा। कई इलाकों में अनजान लोगों को ड्रोन चोर समझकर भीड़ ने पीट दिया एसएसपी अनुराग आर्य ने स्पष्ट किया है कि कानून को हाथ में न लें। अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे, तो सीधे पुलिस को सूचना दें। मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक ओर पुलिस अफवाहों को बिल्कुल निराधार बता रही है, वहीं दूसरी ओर ड्रोन रखने वालों से ब्योरा मांगा जा रहा है और उन्हें थाने बुलाकर ड्रोन जमा करने को कहा जा रहा है। यह दोहरी नीति आम लोगों को असमंजस में डाल रही है। पुलिस जांच में अब तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि ड्रोन का इस्तेमाल चोरी की रेकी में हुआ हो। इसके बावजूद अफवाह इतनी फैल गई है कि लोग डर और भ्रम में जी रहे हैं।

नवाबगंज में पकड़ा गया तेंदुआ

स्थानीय लोगों ने ली राहत की सांस, टाइगर रिजर्व भेजने की तैयारी

फैजुल्लापुर में खेतान फैक्ट्री को बना रखा था ठिकाना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नवाबगंज के फैजुल्लापुर में वन विभाग की ओर से लगाए गए पिंजरे में देर रात तेंदुआ कैद हो गया। किसी के साथ दो माह से दहशत में जी रहे ग्रमीणों ने राहत की सांस ली। तेंदुआ पकड़ने की सूचना पर सैकड़ो - की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पिंजरे में कैद हुए तेंदुए को वन विभाग की टीम अपने साथ ले गई। चर्चा है कि तेंदुए को टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा। नवाबगंज में करीब दो माह से तेंदुए की दहशत थी। तेंदुए की दहशत की वजह से लोग अपने-आप ने अपने खेत और बागों में नहीं जा रहे - थे। तेंदुए ने फैजुल्लापुर की खेतान फैक्ट्री को अपना ठिकाना बना रखा था। तेंदुए ने किसी भी स्थानीय ग्रामीण पर हमला नहीं किया था लेकिन वह लगातार जानवरों का शिकार कर रहा था। लगातार तेंदुए की फुटेज और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। तेंदुआ होने की पुष्टि सबसे पहले खेतान फैक्ट्री के चौकीदार नसीम ने की थी। चौकीदार ने तेंदुए की वीडियो बनाकर वन विभाग को उपलब्ध कराई थी। इसके बाद से ही वन विभाग की टीम तेंदुए को पकाने का प्रयास कर रही थी। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को पकड़ने के लिए खेतान फैक्ट्री परिसर में अलग-अलग पिंजरे लगाए थे। कई बार वन विभाग की टीम को गच्चा देने के बाद देर रात तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। जिसको देखने के लिए सुबह सैकड़ो ग्रामीण पहुंच गए। तेंदुआ पकड़ने की जानकारी होने पर नवाबगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वन विभाग की टीम तेंदुए को लेकर रवाना हो गई। चर्चा है कि पकड़े गए तेंदुए को टाइगर रिजर्व भेजा जाएगा। देखे गए थे शावक चर्चा है कि तेंदुए के साथ कई बार उसके तीन शावकों को भी देखा गया था। जो कई बार तेंदुए के साथ फैक्ट्री की दीवार और खेत में देखे गए थे। लेकिन वन विभाग की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। जबकि स्थानीय लोगों का कहना है कि तेंदुए के साथ उसके तीन शावक देखे गए थे।

जिला शिवपुरी में युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 195 नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी मैदानी निरीक्षण में जुटे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कलेक्टर श्री रविन्द्र कुमार चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। जिले में लगातार भारी बारिश के चलते उत्पन्न बाढ़ जैसी परिस्थितियों के बीच प्रशासन, सेना, एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की टीमें लगातार राहत व बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। कलेक्टर श्री रविन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में जिला प्रशासन पूरी सतर्कता से हालात पर नज़र बनाए हुए है। अब तक कोलारस, रन्नौद, बदरवास एवं इंदार क्षेत्रों की 12 बाढ़ प्रभावित जगहों से कुल 195 नागरिकों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया है। प्रमुख रेस्क्यू ऑपरेशन- ग्राम अनंतपुर में फंसे 10 बच्चों एवं महिलाओं को सेना द्वारा सुरक्षित निकाला गया। 100 वर्ष से अधिक आयु के एक बुजुर्ग को भी रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया। ग्राम पचावली में स्थित राइजिंग सोर्स इंटरनेशनल स्कूल दीगोद के 24 बच्चों को सेना और प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया। सभी बच्चों को देहरड़ा तिराहे पर लाकर उनके स्टाफ को सौंपा गया। ग्राम भड़ौता में भी फंसे ग्रामीणों के लिए राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। ग्राम पचावली रोड, लुकवासा-अनंतपुर मार्ग, ग्राम चक्क एवं बिजरौनी में हालात का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने राहत कार्यों की निगरानी करते हुए निर्देश दिए कि बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को प्राथमिकता पर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जाए। दूरभाष पर ग्रामीणों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली गई। जल आपूर्ति की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। ग्राम चक्क के रपटे का निरीक्षण कर फंसे नागरिकों की स्थिति की समीक्षा की गई और उन्हें आश्वस्त किया गया कि एनडीआरएफ टीम द्वारा सभी को सुरक्षित निकाला जाएगा। संदेश प्रशासन से- जनता घबराएं नहीं, प्रशासन, सेना और राहत दल पूर्ण रूप से सक्रिय हैं। किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान ''नवजीवन'' के तहत सूरजपुर पुलिस व छात्रों के द्वारा भव्य जनजागरूकता रैली का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में जिलेभर में नशे से दूरी है जरूरी अभियान ''नवजीवन'' चलाया जा रहा है

जिसके बैनर तले सभी वर्ग के लोगों एवं छात्रों को नशे की बुराई से अवगत कराते हुए नशा से दूर रहने और नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु लगातार जन जागरूकता के आयोजनों के माध्यम से नशे से दूर रहने की अपील की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार, 30 जुलाई 2025 को जिले के सभी थाना-चौकी की पुलिस के द्वारा स्कूली छात्रों के संग नशा मुक्ति जनजागरूकता रैली निकाली गई जिसमें 30 हजार से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया और हाथ में तख्ती लेकर बुलंद आवाज में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। ले को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर। आईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि जिलेभर की पुलिस के द्वारा नशा मुक्ति के लिए जनजागरूकता रैली छात्रों के साथ मिलकर निकाली गई जिसका उद्देश्य नागरिकों को नशा न करने, नशे से दूरी बनाने और नशे की लत में फंसे व्यक्ति को सही मार्गदर्शन और उपचार कराने हेतु प्रोत्साहित करने निकाली गई। उन्होंने कहा कि जिले को नशा मुक्त बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है। अपने आसपास व समाज में किसी भी प्रकार की नशीली पदार्थ बेचने की शिकायत हो तो मादक पदार्थ आसूचना केन्द्र (मानस) टोल फ्री हेल्पलाईन नंबर 1933 एवं पुलिस कन्ट्रोल रूम सूरजपुर के मोबाईल नंबर 9479193999 पर तुरंत सूचना दे, जिस पर निश्चित तौर पर कार्रवाई की जायेगी। नशा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से कमजोर बनाता है। यह व्यक्ति का भविष्य तो खराब करता ही है, साथ ही परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

भाकियू लोकशक्ति ने आवास आवंटन में हो रही अनियमिताओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की तहसील इकाई अमरिया के पदाधिकारियों ने विकासखंड अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को आवास आवंटन में हो रही अनियमिताओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। उचित कार्यवाही ना होने की स्थिति में आंदोलन करने की चेतावनी दी। उपजिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्रीय लोकपाल महोदय को ग्राम पंचायत बिलासपुर में भेज कर लीलाधर के नाम से ग्राम समाज की खलियान की भूमि में बनाए गए आवास की जांच कराकर रिपोर्ट यूनियन को सौंपी जाए। साथ ही विभिन्न तिथियों को दिए गए ज्ञापनों में संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही ना किये जाने को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति ने मजबूर होकर आपके विरुद्ध रोड शो, आंदोलन और धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। अत: तत्काल प्रभाव से क्षेत्रीय लोकपाल, कानूनगो, नायाब तहसीलदार तथा तहसीलदार आदि को मौके पर भेज कर जबरदस्ती ग्राम समाज की कल्याण की भूमि पर बनाए गए प्रधानमंत्री आवास की जांच रिपोर्ट यूनियन को उपलब्ध कराई जाए। जिससे भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति आपके विरोध में आंदोलन न करें। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष पाथीराम, तहसील अध्यक्ष अमरिया बृजपाल गौतम के साथ यूनियन के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

8वीं तक मान्यता इंटर तक कक्षाएं हो रही संचालित, कब जागेगा शिक्षा विभाग

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / बिना मान्यता वाले विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई का शासन का आदेश है। यह आदेश हवा-हवाई साबित हो रहा है। बिना मान्यता के चल रहे विद्यालयों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। धरातल पर की गई पड़ताल में पता चला कि अभी भी दर्जनों स्कूल बगैर मानक पूरा किए बेरोकटोक संचालित हो रहे हैं। विकासखण्ड अमरिया क्षेत्र में इस प्रकार के दर्जनों विधालय संचालित हो रहे हैं जिनके पास सिर्फ कक्षा पांच या आठवीं कक्षा तक की ही मान्यता है परंतु विद्यालयों में हाई स्कूल व इंटर तक की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।अमरिया क्षेत्र के गांव पिंजरा बमनपुरी में ए लिटिल हार्ट पब्लिक स्कूल, स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल नगरिया कॉलोनी और आदर्श पब्लिक जूनियर हाईस्कूल दलेलगंज मे सिर्फ़ कक्षा आठ तक की ही मान्यता है लेकिन हाईस्कूल व इंटर तक कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इन स्कूलों के संचालक कक्षा आठ तक विधालय संचालन की बात कर रहे हैं तो विधालय में मौजूद छात्र-छात्राएं खुद को 9वीं,10वीं और 12वीं में अध्ययनरत बता रहे हैं। जिनमें न तो विधालय के नाम का बोर्ड है और ना ही उचित व्यवस्थाएं। शिक्षा सत्र शुरू होते ही शहर से लेकर गांव तक नए स्कूल खोलने की होड़ मच जाती है। लोग मानक, मान्यता की परवाह किए बिना मकानों, दुकानों से लेकर झोपड़ियों तक में स्कूल चलाने लगते हैं।

कम पढ़े लिखे बेरोजगार युवकों को बेहद ही कम पैसों में शिक्षक के रूप में तैनात कर देते हैं। स्कूलों के पास मान्यता नहीं है, फिर भी बच्चों को दाखिला दे रहे हैं। स्कूल की यूनिफार्म किताबें बेच रहे हैं। ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं, बेसिक शिक्षा विभाग अनजान बना हुआ है। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिले में बिना मान्यता का कोई भी स्कूल संचालित पाया जाता है, तो स्कूल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा है कि अगर किसी विकासखंड में कोई गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित होता पाया जाता है, तो उस ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी का दायित्व होगा और विद्यालय के प्रबन्धक/ प्रधानाचार्य पर एक लाख रूपये का जुर्माना लगाया जायेगा। अगर विद्यालय का संचालन फिर भी बन्द नहीं होता है तो दस हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से वसूला जायेगा। खण्डशिक्षा अधिकारी अमरिया उमेंद्र दत्त त्रिपाठी ने बताया कि उक्त विधालयों के संबंध में जानकारी मिली है, जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने की संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत विभागों द्वारा कार्यों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार/ पीलीभीत / जिलाधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में विभागवार लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियां एसआरएनए मॉनीटरिंग पंचायतीराज द्वारा किये गये कार्य झाडी कटिंग, जल निकासी, साफ सफाई आदि, कम गहराई वाले हैण्डपम्प के पानी का प्रयोग करने वाले परिवारों की संख्या, शहरी विकास के अन्तर्गत फोगिंग, एंटी लार्वा का छिडकाव, कृषि विभाग द्वारा चूहों, छूछदरों से फैलने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक किए गए

परिवारों की संख्या, शिक्षा विभाग द्वारा संचारी रोगों से बचाव हेतु चलाए गए जागरूकता अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, आशाओं द्वारा फाइलेरिया से बचाव के सम्बन्ध में की गई जनजागरूकता आभा आईडी तथा वीपीडी, सर्विलांस की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते कहा कि सूअर पालकों को चिन्हित करते हुए उन्हें सूअर बाडों को आबादी क्षेत्र से बाहर बनाए जाने तथा सूअर बाडों की पर्याप्त सफाई रखने हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये, समय समय पर झाडियों की कटाई/छटाई की जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मूसलाधार बारिश होने से सड़को पर भरा पानी, प्रशाशन मौन

♦ न्यूरिया नगर मे बरसात होने से मार्गो पर भरा गंदा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच / जाहिद / न्यूरिया मे आज दोपहर बाद काली घटा से बादल आए ओर एक घंटा बहुत तेज़ी से मूसलाधार बारिश होने से सड़को पर भरा पानी बारिश के बाद कस्बे में चोक पड़े नाले नालियां उफना गए। आलम यह रहा कि जलभराव के कारण नगर के नाले बैक मार गए। दावा था कि कस्बे में बारिश से इस बार जलभराव नहीं होगा। कस्बे कि मेन बाजार में सबसे पहले पहले पानी आया और मोहल्ला ठाकुरद्वारा मंदिर बाली गली और मोहल्ला खेड़ा बा तिगड़ी समेत स्टेशन रोड़ पर भी पानी आ गया। बाजार के घर और दुकानों के अंदर पानी घुसने घरों में ईंटें लगा कर सामान को सुरक्षित करने की जिद्दोजदह होती रही। वहीं बारिश की वजह से बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई।। कस्बे के मोहल्ला ठाकुरद्वारा मे मंदिर बाली सड़क पर भी पानी भर गया सावन का महीना है और शिव भक्त प्रतिदिन सुबहा शाम को मंदिर मे पूजा करने आते है ये मार्ग नीचा होने के कारण इस मार्ग पर पानी जल्दी आजाता है थ मुसला धार बारिश से परेशानियां बढ़ी रही।जल भराव होने का कारण चोक नाले नालियों है।

सीमा सुरक्षा को लेकर 126वीं अग्रणी आसूचना बैठक का सफल आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचन्द जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा के मुख्यालय में 126वीं अग्रणी आसूचना बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता एस. डी. शेरखानी, उप महानिरीक्षक, सीमान्त मुख्यालय, लखनऊ द्वारा की गई। बैठक में सीमा सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। उपस्थित अधिकारियों में प्रमुख रूप से अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा; जी. एस. उदावत, कमान्डेंट 42वीं वाहिनी नानपारा; कैलाश चन्द्र रमोला, कमान्डेंट 59वीं वाहिनी नानपारा II; देवानंद, कमान्डेंट तृतीय वाहिनी लखीमपुर खीरी; आर. के. श्रीवास्तव, कमान्डेंट 70वीं वाहिनी लखीमपुरखीरी भीम कुमार गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक; आशीष भारद्वाज, उप जिलाधिकारी; सतीश कुमार शर्मा, क्षेत्राधिकारी; तथा खुफिया ब्यूरो (IB), वन विभाग, स्थानीय पुलिस, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB), ड्रग्स निरीक्षक सहित अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में भारत-नेपाल सीमा से जुड़ी निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुरक्षा विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई- 1. भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना 2. सीमा पर धार्मिक कट्टरवाद से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने की रणनीति 3. मानव तस्करी एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम 4. सीमा क्षेत्र में हो रहे वन अपराधों पर नियंत्रण 5. अवैध हथियारों की तस्करी एवं उनके नेटवर्क की पहचान और निष्क्रियता बैठक का उद्देश्य भारत-नेपाल सीमा पर हो रहे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित करना होगा।

आधा दर्जन सोलर पैनल चोरी मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा। मऊआइमा विकास खंड के ग्राम विश्वभरपुर में जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी पर 56 सोलर पैनल लगे हुए हैं। बताया गया है कि बीती रात चोरों ने आधा दर्जन सोलर पैनल चोरी कर ले गए।जल जीवन मिशन के सुपर वाइजर इन्द्र जीत ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में आयोजित हुआ संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने महिलाओं से की खरीदारी, प्रेरणा टी पॉइंट बना आकर्षण का केंद्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ राजकीय मेडिकल कॉलेज, में आयोजित आकांक्षात्मक विकासखंड कार्यक्रम एवं संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, ब्लॉक प्रमुख राम राजा निरंजन जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्षा उर्विजा दीक्षित ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अवलोकन किया। महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगाए गए स्टॉलों में प्रमुख रूप से पेड़ा, दाल और स्थानीय उत्पादों की सराहना की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष, जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से खरीदारी भी की, जिससे उन्हें आर्थिक संबल और मनोबल मिला।कार्यक्रम के दौरान प्रेरणा टी पॉइंट विशेष आकर्षण का केंद्र रहा, जहाँ चाय पर चर्चा के साथ-साथ संवाद और उत्साह का वातावरण बना। चाय सभी अतिथियों ने न केवल स्वयं पी, बल्कि अन्य को भी पिलाकर 'नारी शक्ति' के प्रयासों को सराहा। इस आयोजन के माध्यम से न केवल उत्कृष्ट कार्य करने वाले विकासखंडों एवं समूहों को सम्मानित किया गया, बल्कि स्थानीय उत्पादों और महिलाओं की सहभागिता को भी मंच मिला। यह कार्यक्रम प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सहयोग से जनपद में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, सांसद प्रतिनिधि राजू , जिला विकास अधिकारी निशान्त पाण्डेय, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, उपायुक्त स्वत: रोजगार महेंद्र चौबे, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह आदि सहित संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार रमेश तिवारी की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई, परिजनों ने गरीबों को खाना परोसकर खिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज नगर के दरिद्र नारायण सेवा समिति के आश्रम पर कोंच के जाने माने पत्रकार और रंगमंचीय कला के एक अच्छे अभिनय कलाकार रमेश चंद्र तिवारी की दूसरी पुण्यतिथि मनाई गई उनके परिजन दरिद्र नारायण सेवा समिति पहुंचे और सबसे पहले आश्रम पर स्थापित बाबा भोले नाथ शिव शंकर की पूजा अर्चना कर आरती की इसके बाद परिजनों ने स्मृति शेष पं रमेश चंद्र तिवारी पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किये इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कोंच के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि रमेश तिवारी कोंच के ही नहीं पूरे जिले के पत्रकार थे जिन्हें हर आदमी जानता था तिवारी जी बहुत ही सरल और एक ईमानदार पत्रकार थे जो हमेशा बिना भेद भाव के लोगों की मदद करते थे और प्रशासन के अधिकारी भी उन्हें सम्मान देते थे और कोंच की प्रसिद्ध राम लीला का आयोजन कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी और वह रंगमंच के एक अच्छे कला कार थे निश्चित ही आज उनकी कमी कोंच के लोगों को खल रही है समाज सेवी प्रोफेसर वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि तिवारी जी के अन्दर बहुत खूबियां थी वह कभी नाराज नहीं होते थे हमेशा परेशान पीड़ित लोगों की सेवा में आगे रहा करते थे पत्रकारिता जगत के वह भीष्म पिता माह थे उनकी हर क्षेत्र में पकड़ थी आज उनके न होने से वास्तव में कमी महसूस की जा रही है केशव बबेले ने उनके साथ बिताए पलो के संस्मरण सुनाए इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल राहुल तलवाड़ सत्येंद्र पटेल शीलू पड़री प्रिया शरण नगाइच सेठ नासिर खान कड़ौरे लाल बाबूजी केशव बबेले राजेंद्र दुबे महेंद्र यादव दरोगा जी बृजेंद्र कुशवाहा डा आलोक निरंजन डा दिलीप अग्रवाल अनुरुद्ध मिश्रा गोविंद शुक्ला कृष्ण कांत तिवारी एडवोकेट हरिश्चंद्र तिवारी राघवेंद्र तिवारी प्रसून तिवारी संतोष तिवारी सहित तमाम नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे

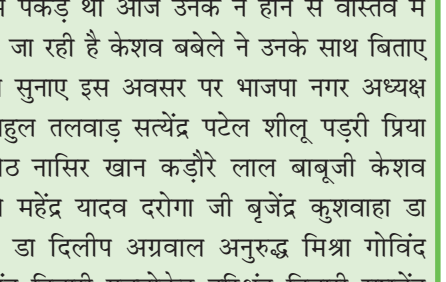

पहाड़गांव चौकी प्रभारी धर्मवीर ने शांति व्यवस्था भंग रहे लोगो को पकड़ा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया एस ओ विकेश बाबू के निर्देश पर पहाड़ गांव पुलिस चौकी के प्रभारी धर्मवीर सिंह दरोगा रूपेंद्र सिंह और हमराही सिपाहियों ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने का आरोप में पहाड़गांव ओर नरी से लोगो को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ शांति भंग की कार्य वाही है पुलिस ने सभी का चालान कर दिया है पकड़े गए लोगों में यशपाल सिंह चंद्रप्रकाश घनश्याम बोबी राजपूत मंगली अहिरवार अजय राजपूत है इनके खिलाफ कार्यवाही की गई

बैटरी फटने से हुआ जोरदार धमाका मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली के मोहल्ला जवाहर नगर नई बस्ती में पंकज खरे का मकान है इस मकान में एक बैटरी का गोदाम है मकान के अंदर बैटरी बनने का कार्य किया जा रहा था बीते मंगल वार की रात लगभग आठ बजे के आस पास बैटरी फटने का जोरदार धमाका हुआ इस तेज धमाके की आवाज सुनकर अड़ोस पड़ोस के लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल आए और जानकारी करने लगे इस बैटरी फटने से आस पास की दीवारें चटक गई इस घटना की खबर सुनकर नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पटेल नगर पालिका परिषद कोंच की अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव सागर चौकी के प्रभारी राज कुमार चौधरी सदर लेखपाल अखिलेश कुशवाहा सिपाही अजय पाल यादव अमीन नवीन कुमार दीक्षित दल बल के साथ मौके पर आये ओर घटना स्थल का मौका मुआयना कर इस मकान को सीज करने की कार्यवाही की है बताया गया है कि जब बैटरी फटी तो उस मकान में कार्य करने वाले दो लोग निकल चुके थे इस मामले की प्रशासन जांच कर रहा है

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

डायट मेंटर डॉ. राजेश पांडेय ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / बहरिया। निपुण भारत मिशन के तहत बहरिया विकास खंड के ब्लॉक संसाधन केंद्र, सिकंदरा में शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण 28 जुलाई से 1 अगस्त तक चलेगा, जिसमें शिक्षकों को प्राथमिक स्तर पर साक्षरता और गणना दक्षता (एफएलएन) के विकास हेतु एनसीईआरटी की नवीनतम शैक्षणिक सामग्री पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत खंड शिक्षा अधिकारी धर्मेंद्र कुमार मौर्य के नेतृत्व में हुई, जबकि संपूर्ण प्रशिक्षण की निगरानी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह द्वारा की जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अशोक कुमार, रामचन्द्र यादव, सतीश कुमार गुप्ता, भूपेन्द्र सिंह और शिव कुमार वर्मा संदर्भदाता के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्रशिक्षण के निरीक्षण के लिए पहुंचे डायट मेंटर व नोडल अधिकारी डॉ. राजेश कुमार पांडेय ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना है ताकि वे पढ़ने, लिखने और गणना जैसी मूल क्षमताओं में दक्ष बन सकें। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव मजबूत करने में यह प्रशिक्षण अहम भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर राजेश कुशवाहा, मो. साजिद, सुषमा शुक्ला, अनूप पांडेय, प्रीति सिंह, शिल्पी पाल, शिखा पटेल, जिया उद्दीन, मोहम्मद जुनैद, बेबी सिंह, फरहीन फात्मी, रगबत आरा, चंद्रप्रकाश शुक्ला, राजन कुमार, शाहनवाज उल हक़ पूजा मौर्य, मोहम्मद फरहान, मधु, मोहम्मद हबीब सिद्दीकी, कंचन यादव, प्रसिद्ध नारायण, राकेश कुमार यादव सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जिला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान द्वारा विकास भवन सभागार में व्यापार बंधु की बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज विकास भवन के सभागार में व्यापार बन्धु की बैठक आयोजित की गई।आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापार बन्धु की समस्याओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए व्यापार बंधुओं की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल अंकित गोयल ने शामली शहर में आईजीएल की लाईन डालने के कारण खराब हुई सड़कों को ठीक कराए जाने के संबंध में अधिशासी अधिकारी शामली को कड़े निर्देश दिए। बैठक में कांधला स्थित नेशनल इंटर कॉलेज से दा गोल्ड स्कूल तक सड़क निर्माण कराया जाने, कांधला स्थित दिल्ली बस स्टैंड के पास नाले का निर्माण कराया जाने के संबंध में अधिशासी अधिकारी कांधला को निर्देशित किया गया। बैठक में अधिशासी अधिकारी कांधला द्वारा अनुपस्थित पाए जाने पर एक दिन का वेतन रोकना का निर्देश दिया।बैठक में रोडवेज डिपो एवं आधुनिक बस अड्डा बनाए जाने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु एआरएम को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा श्रम बन्धु की बैठक कर ऐजेण्डा बिन्दु के अनुसार समीक्षा करते हुए सहायक श्रमायुक्त विभागीय योजनाओं का कैंप लगाकर पात्र लोगों को लाभ दिलाने के साथ-साथ जिला मुख्यालय/ विकास भवन/ ब्लॉकों में होर्डिंग/फ्लेक्सी के माध्यम से योजनाओं का प्रचार प्रसार हेतु कड़े निर्देश दिए गए।बैठक में उपायुक्त डॉ लोमेश,राज्य कर,सहायक श्रमायुक्त शामली अचला पाण्डेय अन्य विभागीय अधिकारी सहित व्यापार बन्धु उपस्थित रहें।

बस-कार भिड़ंत में युवक की मौत, एक की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती रोडवेज बस ने कार को मारी टक्कर कार में एक व्यक्ति की मौत। दूसरे की हालत गंभीर, हादसे के बाद कार को 100 मीटर तक घसीट ले गई बस, बरदेहरा मोड़ पर कार मोड़ते समय हुआ दर्दनाक हादसा मचा कोहराम सोनवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरदेहरा मोड के पास लक्ष्मणनगर की तरफ से आ रही कार संख्या यू पी 32 सी 7479 से अनिल कुमार पुत्र रामचंद्र उम्र 38 वर्ष व छोटकउ प्रसाद उम्र 30 वर्ष पुत्र फेरन लक्ष्मणनगर से निजी कार्य से कार से वापस अपने घर जा रहे थे। बरदेहरा मोड के पास फोरलेथ रोड़ को पार करते समय डिवाइडर निकलते ही अचानक गाड़ी बंद हो गई, इस दौरान बहराइच की तरफ से तेज गति से आ रही बहराइच डीपो की रोडवेज बस संख्या यूपी 78 केटी 1765 कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार रगड़ती हुई 100 मीटर आगे तक चली गई। कार सवार छोटकऊ प्रसाद और कार चालक अनिल कुमार बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और आनन फानन में दोनों को एंबलेस की सहायता से संयुक्त चिकित्सालय भिनगा के इमरजेशी में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने छोटकऊ प्रसाद को मृत्यु घोषित कर दिया वही अनिल कुमार की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बहराइच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गाँव में मातम का माहौल छा गया। वही पारिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर शव को शव विच्छेदन हेतु मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया गया।

शिव भक्तों के लिए चौकी इंचार्ज ने किया भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / दुर्गागंज।रानीगंज थाना के चौकी कसेरुआ दुर्गागंज में चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने सावन माह के अवसर पर आने जाने वाले शिवभक्तों के लिए दुर्गागंज देल्हूपुर मार्ग दुर्गागंज चौकी के बगल में बुधवार को भंडारे का आयोजन किया। चौकी इंचार्ज अमित कुमार सिंह ने विधि विधान से हवन पूजन के साथ शाम लगभग 5बजे भंडारे की शुरुआत हुई।यहां पर पुलिसकर्मियों ने आने जाने वाले भक्तों को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। इस दौरान पुलिस चौकी रोड के रास्ते जाने वाले भक्तों ने भी प्रसाद को चखा। इस दौरान लगभग हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा भंडारे में ग्रामीणों के द्वारा श्रमदान किया गया। ग्रामीणों ने भंडारे में पुड़ी निकलवाई तो कुछ लोग भंडारा बांटा।यहां पर देर रात तक भंडारा चलता रहा।इस मौके पर इंचार्ज अमित कुमार सिंह, उपनिरीक्षक साधुराम, उपनिरीक्षक शेंवेंद्र कुमार,दिवान अमर नाथ यादव,मनोज कुमार,सहित अन्य पुलिसकर्मी व भारी संख्या में ग्रामीण व शिव भक्त मौजूद रहे।

थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा 15 लीटर अवैध देशी शराब के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / थाना घूरपुर पुलिस टीम द्वारा दिनांक- कच्ची देशी शराब के साथ अभियुक्त अक्षयलाल बिन्द पुत्र प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर अग्रिम विधिक अक्षयलाल बिन्द उपरोक्त ने बताया कि चोरी छिपे महुआ से चलाते हूं । 29.07.2025 को बहरिया का पुरा नहर पुलिया से 15 लीटर अवैध दुखी राम बिन्द निवासी बहरिया का पुरा पंवरी थाना घूरपुर जनपद बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-262/2025 धारा- कार्यवाही की गयी । पूछताछ का विवरण- पूछताछ पर अभियुक्त कच्ची देशी शराब बनाकर बेचकर अपना व अपने परिवार का खर्चा

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेन्द्र कुमार पांडेय / पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

सरकारी भूमि पर बनी मजार जमींदोज

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिला मुख्यालय स्थित भिनगा-सिरसिया मार्ग पर भिनगा जंगल से सटे वन कार्यालय के ठीक सामने सरकारी भूमि पर बने सैकड़ों वर्ष पुराने मजार को जिला प्रशासन ने जमींदोज कर दिया है। माहौल को देखते हुए जिला प्रशासन ने भारी संख्या में पुलिस पीएसी व एसएसबी जवानों को मौके पर तैनात कर स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा। जिससे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन की पूरी कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सकी। जानकारी के अनुसार भिनगा सिरसिया मार्ग पर वन कार्यालय के सामने एक भूमि खण्ड (गाटा संख्या 121, रकबा 0.1420 हेक्टेयर) इमारती लकड़ी भंडारण हेत आरक्षित है। उक्त आरक्षित स्थल पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर अस्थायी एवं स्थायी निर्माण की गतिविधियां प्रारम्भ कर दी गई थी, जिसको नगर पालिका परिषद ने नोटिस दिया था तथा अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका परिषद भिनगा ने एक के बाद एक कई नोटिस सम्बन्धित को भेजे थे, लेकिन उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया। जिसे जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता पूर्वक लेते हुए नगर पालिका परिषद एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के संयुक्त समन्वय से एक संयुक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के दौरान नगर पालिका, पुलिस बल एवं राजस्व विभाग की उपस्थिति में अभियान चलाकर उक्त गाटा संख्या के सभी अवैध निर्माणों को सात बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करा दिया गया है। इस सन्दर्भ में नगर पालिका परिषद भिनगा का कहना है कि इस कार्यवाही से न केवल शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, बल्कि भविष्य में किसी भी प्रकार के अनाधिकृत निर्माण पर प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति को भी बल मिला है। साथ ही नगर के नागरिकों में यह संदेश गया है कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला अधिकारी श्रावस्ती अजय द्विवेदी ने बताया की वन विभाग ऑफिस के पास शासकीय भूमि थी इमारती वन हेत आरक्षित किया गया था इस पर विगत कुछ वर्षों से अतिक्रमण कर अस्थायी एवं स्थायी निर्माण की गतिविधियाँ प्रारंभ कर दी गई थी, जिसको रूकवा दिया गया था अभिलेखीय कार्यवाही करने के बाद निर्माण को ध्वस्त करा दिया गया पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया ने बताया की अवैध अतिक्रमण के दौरान जनपद की संवेदनशीलता को देखते हुए दो कंपनी पी ए सी दो एडिशनल एसपी आठ सी ओ और सारे थाना प्रभारी लगाए गए है कस्बे में शांति व्यवस्था कायम है जनपद बहराइच वा बलरामपुर की फोर्स तैनात है।

संक्षिप्त समाचार

03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेंद्र कुमार पांडेय /आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनिल कुमार ने जनपद वासियों को बताया की समुदायइक स्वास्थ्य केंद्र में होगा सांप काटे का इलाज

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली मुख्य चिकित्साधिकारी शामली, डॉ अनिल कुमार द्वारा सभी जनपदवासियों को सचेत किया गया है कि सांप के काटने की घटना एक गंभीर चिकित्सा आपातकाल है। यदि किसी को सांप ने काट लिया है, तो तुरंत 108 (एम्बुलेंस) पर कॉल करें या निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या जिला संयुक्त चिकित्सालय पर जाएं और इलाज की सुविधा लें। सांप के काटने के बाद, व्यक्ति को शांत रहने और घबराने से बचने में मदद करें। काटे गए अगं को स्थिर रखें और इसे हिलाने से बचें। जहर को फैलने से राकने के लिए पट्टी बांधने से बचें। सांप को पकड़ने या मारने की कोशिश न करें, लेकिन उसकी तस्वीर लेने या उसका वर्णन करने का प्रयास करें, क्योंकि यह डॉक्टर को यह जानने में मदद कर सकता है कि वह किस प्रकार का सांप था। सीएमओ ने बताया कि जनपद शामली में वर्ष 2025 स्वास्थ्य विभाग ने सांप द्वारा काटे गये 30 मरीजों की जान स्ङ्क के माध्यम से बचाई गयी है। उन्होंने बताया कि समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र व जिला संयुक्त चिकित्सालय पर सांप से काटने का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है।

विश्व मानव तस्करी रोधी दिवस पर देहात इंडिया संस्था द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचन्द जायसवाल / विश्व मानव तस्करी विरोध दिवस के अवसर पर देहात इंडिया संस्था के द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्स्क्र के 42 वीं वाहिनी, जमुनहा कैंप के एसआई नेक राम एवं पुलिस चौकी जमुनहा के योगेंद्र बाबू हरी झंडी दिखाकर किया गया कार्यक्रम के अंतर्गत वाहन रैली जमुनहा ककरदरी बॉर्डर क्षेत्र से प्रारंभ हुई, जहां लोगों को पंपलेट वितरित कर मानव तस्करी के खतरों और इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। जागरूकता रैली संतालिया स्थित एसएसबी कैंप तक पहुंची, जहां एस आई प्रशांत भारद्वाज, चन्दन कुमार, राहुल कुमार द्वारा समापन किया गया। उन्होंने उपस्थित समुदाय के लोगों से अपील की कि वे मानव तस्करी जैसे अपराध के प्रति सजग रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। इस अवसर पर देहात इंडिया संस्था की टीम से सारजन वर्मा,श्रीपाल, सरोज देवी, सरोज पटेल, सहित अनेक समुदाय प्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाना और सुरक्षित व सतर्क समाज का निर्माण करना रहा।

जमीनी रंजिश को लेकर मार पीट दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दामोदरपुर घीनपुर निवासी राम अभिलाष पटेल पुत्र शम्भू नाथ का आरोप है कि उसके विपक्षी एक राय होकर घर के पीछे निर्माण कार्य कर रहे थे।मना करने पर हाथों में लाठी डंडा सरिया, कुल्हाड़ी आदि लेकर जान से मारने की धमकी दिए और मारे पीटे तथा गालियां देते हुए जान मारने की धमकी दिए। तथा राम अभिलाष की तहरीर पर राम बहादुर,रामधन, अवधेश नारायण, चन्द्र मोहन, शमशेर, अमित कुमार, निखिल कुमार, फोटो देवी,रंजना देवी, कमलेश कुमारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

Do you also have pain in the joints of your fingers? Is this a problem of arthritis?

Constant pain or stiffness in the joints of the fingers can be an early sign of arthritis. This disease is no longer limited to the elderly, but many young people are also getting affected. If it is identified and managed on time, it can be cured. Often we ignore minor pain in our body, especially when it comes to joint pain. Although this pain sometimes occurs for a short time and then gets relieved, but if it persists for a long time, it can be a sign of arthritis. If you have pain in the joints of your fingers as soon as you wake up in the morning or there is pain in any other joints of the body, then these can be early symptoms of arthritis. Arthritis is a disease that is usually seen in the elderly, but in some cases it can also affect the youth. The small joints of the fingers are often the first to be affected by this disease. If the symptoms of arthritis are identified on time, then the management of this disease can be simple. Let us understand in detail in this article how pain in the joints of the fingers can be related to arthritis, as well as its symptoms, causes and prevention measures. Major symptoms of arthritis - The most common symptom of arthritis is pain and stiffness in the joints, especially after waking up in the morning or after sitting for a long time. Swelling, redness and warmth in the joints of the fingers can also be its signs. In some cases, the movement of the joints becomes limited, making everyday tasks, such as buttoning or holding, difficult. Symptoms like fatigue and fever can also appear in rheumatoid arthritis. Do not ignore these symptoms. If you are also seeing these symptoms, then consult a doctor and get this test done. Rheumatoid factor and anti-CCP tests are done to confirm rheumatoid arthritis. Causes and risk factors of arthritis Causes of arthritis include age, heredity, injury and autoimmune disorders. Osteoarthritis is often caused by aging or excessive stress on the joints, while rheumatoid arthritis is caused by the immune system mistakenly attacking the joints. Obesity, a sedentary lifestyle and vitamin D deficiency also increase the risk. Hormonal changes in women, especially after menopause, can increase the risk of arthritis. Prevention It is important to keep weight under control to prevent arthritis, as excess weight puts pressure on the joints. Take a balanced diet, which includes omega-3 fatty acids (fish, walnuts) and vitamin D (milk, sunlight). This strengthens bones and joints. Avoid smoking and alcohol. In case of pain, warm compresses and gentle massage can provide relief. But, if your fingers have persistent pain or swelling, contact a doctor immediately. Note: This article has been prepared based on information collected from medical reports.

Frequent numbness or tingling of the feet can be the initial symptoms of these dangerous diseases

Often some people have the problem of tingling and numbness in the feet. There can be many reasons behind this, in some cases it can also be a sign of serious diseases. Let's know about this in this article. Have you ever suddenly felt numbness in your hands, feet or any part of the body? Most of us must have faced this experience at some time or the other. Often this happens for a short time, when there is pressure on a nerve and everything becomes fine when the position of the body changes. Normally this happens only when you are sitting in the wrong posture. But if suddenly without any reason the feet or any part of the body is getting numb or tingling is felt, then taking it lightly can be a big mistake. This can be an early sign of a serious and dangerous disease, which needs immediate attention. This article will help you understand these symptoms and learn about possible underlying health problems. Major causes of numbness and tingling- Numbness or tingling in the feet can have many causes. Sitting in the same position for a long time or putting pressure on the nerve due to some reasons are common causes. However, this recurring problem can be associated with diseases like peripheral neuropathy, diabetes, vitamin B12 deficiency, thyroid or multiple sclerosis. High blood sugar in diabetes damages the nerves, causing neuropathy. Symptoms- Numbness or tingling in the feet along with other symptoms, such as burning, weakness, loss of body balance, can be a sign of serious illness. In diabetic neuropathy, these symptoms may increase at night. If this problem persists or there is difficulty in walking, it may be a sign of nerve damage or blood circulation problem. Diagnosis and investigation process The doctor suggests medical history, physical examination and some tests to check for frequent numbness of the feet. Blood tests can detect diabetes, vitamin B12 deficiency or thyroid problems. Nerve conduction study and electromyography measure the severity of nerve damage. MRI or CT scan can find out the cause of pressure on the spinal cord or nerve. Prevention and treatment measures To avoid numbness or tingling in any part of the body, adopt a healthy lifestyle, which includes a balanced diet and drink at least 2-3 liters of water throughout the day. Eat foods rich in vitamin B12, such as eggs, milk and fish. Regular exercise, such as yoga and stretching, improves blood circulation. Avoid sitting in the same position for a long time and refrain from smoking. If the symptoms are severe, consult a doctor in time. Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

Going on a trip during pregnancy? It is very important to know these five things

This article is based on important things to keep in mind for women traveling during pregnancy, which every mother-to-be should know before going on a trip. Pregnancy is a beautiful experience but traveling during this time demands a little extra caution. Be it a babymoon, a family trip or an important trip, if you are pregnant and are thinking of going on a trip somewhere, then you should take special care of some things. With the right planning and health precautions, you can enjoy travel without any hassle. This article is based on important things to keep in mind for women traveling during pregnancy, which every mother-to-be should know before going on a trip. Doctor's advice - Take medical advice before traveling during pregnancy. Before traveling, meet your gynecologist and get your fitness confirmed for the trip. It is better to avoid travelling in case of any kind of high-risk pregnancy. Right time for travel for pregnant women- The second trimester of pregnancy i.e. 13 to 28 weeks is considered the safest. At this time morning sickness reduces and energy is also maintained. Right mode of travel- Choose the travel mode wisely. It is important to take breaks in between while travelling by car. Check the airline guidelines for air travel. Most companies allow pregnant women only till the 36th week. On the other hand, train travel is comparatively comfortable. Keep these things in the travel bag Doctor's contact number and medical reports Essential medicines Comfortable clothes and flat sandals Snacks and water bottle for hydration Keep these things in mind during the journey - Avoid walking too much or lifting heavy luggage. If you sit for a long time, take a short walk every 1 hour. Pay special attention to hygiene and cleanliness. Avoid junk food and eat light food like home.

How many crores is Huma Qureshi the owner of at the age of 39, know here

Apart from films, Huma Qureshi also earns a lot from advertisements and brand endorsements. Come, today on her 39th birthday, know how many crores is Huma Qureshi the owner of. Huma Qureshi is a well-known Bollywood actress and model, who has made her special identity in the film industry with her brilliant acting and hard work. Today on her 39th birthday, know her net worth. Huma's career- Huma Qureshi made her Bollywood debut in 2012 with the film "Gangs of Wasseypur". Her acting in this film was highly appreciated and after this she worked in many hit films, such as "Luv Shav Te Chicken Khurana", "Dedh Ishqiya", "Badlapur", "Jolly LLB 2", and "Bell Bottom". According to media reports, Huma charges a fee of Rs 2-3 crore for a film. Her fees depend on the budget of the project and the importance of her character. Web Series- Huma has also made a strong presence on the digital platform. Her character of Rani Bharti in the web series "Maharani" was well liked by the audience and critics. Such web series also increase her earnings. Her fees for working in web series are also in lakhs, which depends on her stardom and the popularity of the project. Advertisements and Brand Endorsements- According to media reports, Huma signed a two-year contract with a big company at the beginning of her career. She did advertisements for many big brands like mobile, paint, oil, cream, and soap. Her earnings from brand endorsements are also quite good. She charges lakhs of rupees for a brand endorsement. Advertisements and Brand Endorsements- According to media reports, Huma signed a two-year contract with a big company at the beginning of her career. She did advertisements for many big brands like mobile, paint, oil, cream, and soap. Her earnings from brand endorsements are also quite good. She charges lakhs of rupees for a brand endorsement. Huma Qureshi's net worth - According to media reports, Huma Qureshi's total net worth is around Rs 22-25 crore. This amount comes from her films, advertisements, web series, and social media. Her main sources of income are her acting projects and brand endorsements. Huma is also fond of luxury cars. She has some expensive vehicles, which are part of her net worth.

'Saiyaara' is running rampant at the box office, leaves behind 'Pathan', 'KGF 2' and 'Dangal' in the second weekend

The film Saiyaara is wreaking havoc at the box office. The film, which has earned Rs 250 crore, is now rapidly moving towards becoming a 300 crore film. In the second weekend, the film has left behind films like 'Dangal', 'Pathan' and 'KGF 2' in terms of earnings.

The film 'Saiyaara' continues to perform well at the box office. Released on July 18, this film starring Ahan Pandey and Anit Padda made a huge collection in the second weekend. In terms of second weekend collection, it broke the fort of Khan star films. It also left behind superstar Yash's 'KGF 2' (Hindi). This film is moving towards joining the 300 crore club. 'Saiyaraa' is challenging big films. Trade analyst Taran Adarsh has shared a post from his ex account (formerly Twitter) on Monday. In this, he has given the weekend earnings figures of the film 'Saiyaraa'. He also wrote that this film is making historical records at the box office. The film is challenging the big blockbuster films of Hindi cinema. The second weekend earnings figures of the film are far ahead of the second weekend business of 'Dangal', 'Pathan', 'Sanju', 'Bajrangi Bhaijaan' and 'KGF 2'. In the second weekend earnings, Mohit Suri's 'Saiyaraa' has left behind Aamir Khan's 'Dangal', Shahrukh Khan's 'Pathan', Ranbir Kapoor's 'Sanju', Salman Khan's 'Bajrangi Bhaijaan' and Yash's 'KGF 2'. The second weekend earnings of these films are something like this: Film Second weekend collection 'Saiyaara' Rs. 75.50 crore 'Dangal' Rs. 73.70 crore 'Pathan' Rs. 63.50 crore 'Sanju' Rs. 62.97 crore 'Bajrangi Bhaijaan' Rs. 56.10 crore 'KGF 2' (Hindi) Rs. 52.49 crore Eyes on the 300 crore club In terms of second weekend earnings, the film Saiyaara is behind only 'Pushpa 2' (Hindi), 'Chhava', 'Stree 2', 'Gadar 2', 'Animal', 'Jawaan', and 'Baahubali 2'. This film has done a business of Rs 250 crore. Now its eyes are set on the 300 crore club. This film performed well over the weekend. On Friday, on the eighth day, it earned Rs 18.50 crore. On Saturday, it earned Rs 27 crores on the ninth day. Then on Sunday, it collected Rs 30 crores on the 10th day. The weekend collection of 'Saiyaraa' is something like this: Day Collection First weekend Rs. 175.25 crores Second weekend Rs. 75.50 crores Total collection Rs. 250.75 crores The film is made under the banner of Yash Raj Films The film 'Saiyaraa' has been made under the banner of Yash Raj Films. Its budget is being said to be Rs. 50-60 crores. The film has become a blockbuster. Ahaan Pandey and Anit Padda have made their debut through this film. It is a romantic musical love story film.

Fatima will be seen in 'Nyay' with 'Saiyaara' star Anit Padda, the actress will be in this role

'Saiyaara' star Anit Padda and 'Aap Jaisa Koi' actress Fatima Sana Shaikh will soon be seen together in the web series 'Nyay'. After making a splash in the film 'Saiyaara', actress Anit Padda is now going to be seen in the new web series 'Nyay'. Fatima Sana Shaikh will also be with her in this series. In this series, directed by director Karan Kapadia and Nitya Mehra, Fatima will play the role of a sharp and fearless police officer. Anit Padda and Fatima Sana Shaikh are in the headlines Both the actresses are in the headlines these days for their excellent work. Fatima Sana Shaikh has garnered a lot of praise for her brilliant acting in the films 'Aap Jaisa Koi' and 'Metro In Dono'. At the same time, Anit Padda has impressed the audience with his tremendous acting in the film 'Saiyaara'.Shooting was done before 'Saiyaara'- The 'Nyay' series is a thrilling drama thriller. Anit Padda shot it before his film 'Saiyaara' and in this, Fatima Sana Shaikh is playing the role of a police officer for the first time. It will soon be released on a major OTT. What is the story of 'Nyay'? It is said that this series is the story of a young girl who is sexually abused by a powerful leader. After this she goes to court. In the series, Anit will play the role of a 17-year-old girl. She will be seen fighting the pressure of society along with legal tricks. Arjun Mathur will be playing the role of a lawyer in the series.Box office collection of 'Saiyaara'- Ahaan Pandey and Anit Padda's film 'Saiyaara' was released in theaters on July 18. On the very first day, this film did a business of Rs 21.5 crore. The film has earned Rs 172.75 crore in a week. The film has so far collected Rs 249.82 crore at the box office.